मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में शकूर बस्ती तथा त्रिनगर विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण, ट्रैफिक जाम तथा पेयजल संकट जैसे मुद्दों पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिल्ली में शकूर बस्ती व त्रिनगर में चुनाव सभायें कीं

उन्होंने दिल्ली की आप सरकार पर आरोप लगाये व उनके भ्रष्टाचारों की लंबी लिस्ट गिनाई

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केजरीवाल बँगला नहीं लेने का दावा करते थे, पर, एक बँगले से उनका मन नहीं भरा और कई बँगले तोड़कर अपने लिये शीश महल बनाया।**
- **उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति से देश को लूटा, दिल्ली में केजरीवाल एंड पार्टी ने उससे भी ज्यादा लूट-खसोट की।**

दिल्ली/जयपुर, 2 फरवरी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए जनसभाओं का सिलसिला जारी है।

उन्होंने रविवार को शकूर बस्ती तथा त्रिनगर विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं में दिल्ली की आप सरकार पर हमला बोलते हुए उनके भ्रष्टाचारों की लंबी फेहरिस्त गिनाई। शर्मा ने दिल्ली के प्रदूषण, ट्रैफिक जाम तथा पेयजल संकट जैसे मुद्दों पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरा। उन्होंने कांग्रेस पर भी करारा हमला करते हुए उनके भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति की कड़ी आलोचना की।

जनसभाओं में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान केजरीवाल भ्रष्टाचार मिटाने की बात करते थे, लेकिन सत्ता में आते ही आकंठ भ्रष्टाचार में डूब गए। वे हवाई चप्पल पहनकर तथा मारूति गाड़ी में सवारी कर सादगी का ढोंग करते थे। साथ ही, बंगला नहीं लेने का दावा भी करते थे, लेकिन एक बंगले से भी इनका मन नहीं भरा और कई बंगले तुड़वाकर अपने लिए शीशमहल बनवाया। शर्मा ने कहा कि झूठ बोलने के मामले में केजरीवाल कांग्रेस पार्टी से भी दो कदम आगे निकल गए हैं। कांग्रेस ने तो अपने भ्रष्टाचार तथा तुष्टीकरण की राजनीति से देश को लूटा ही, दिल्ली में केजरीवाल एंड पार्टी ने उससे भी ज्यादा लूट-खसोट की। क्लासरूम बनाने के नाम पर 1 हजार 300 करोड़ रूपये का घोटाला, स्वास्थ्य क्षेत्र में 65 हजार फर्जी लैब परीक्षण कर 300 करोड़ रूपये का घोटाला तथा बस खरीद घोटाला, दिल्ली जल बोर्ड घोटाला जैसे बड़े-बड़े घोटाले कर दिल्ली की जनता को लूटा। शराब घोटाले में तो इनके तत्कालीन मुख्यमंत्री को भी जेल हुई।

शर्मा ने केन्द्र सरकार एवं भाजपा शासित राज्यों के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश में आया बदलाव हम सब ने देखा है, क्योंकि प्रधानमंत्री जो कहते हैं वो करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में पेश हुए केंद्रीय बजट 2025-26 के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने देश की जनता को कई सौगातें दी है। जो नए उद्यमी बनना चाहते हैं, उनको बिना गारंटी 2 करोड़ रूपए तक के ऋण की योजना लाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 फरवरी को कमल के निशान पर बटन दबाकर दिल्ली को एक नया भविष्य दें तथा शकूर बस्ती विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार करनैल सिंह तथा त्रिनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार तिलक राम गुप्ता जैसे सेवाभावी प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाकर दिल्ली के सर्वांगीण विकास में अपनी भागीदारी निभाएं।

केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिये चुनाव आयोग को पत्र लिखा

नई दिल्ली, 02 फरवरी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हुए कई हमलों का जिक्र किया है। केजरीवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त के सामने कई मांगे रखी हैं।

- **पत्र में केजरीवाल ने इंडीपेंडेंट इलैक्शन आब्ज़र्वर लगाने व जिम्मेदार पुलिस वालों को सस्पैन्ड करने की मांग की।**

केजरीवाल ने चिट्ठी में मांग की गई है कि नई दिल्ली विधानसभा में इंडिपेंडेंट इलेक्शन आब्ज़र्वर नियुक्त किए जाएं। चुनाव आयोग आप वॉलेंटियर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार पुलिस वालें तुरंत सस्पेंड किया जाए। हमला करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच बयानबाजी तेज है।

महाकुंभ हादसे पर जनहित याचिका की सुनवाई आज

श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर दायर याचिका की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश व जस्टिस संजय कुमार की बैंच करेगी

- **जनहित याचिका में केन्द्र व सभी राज्यों को पक्षकार बनाया गया है और महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने के लिये सामूहिक रूप से काम करने के निर्देश देने की मांग की गई है।**

नई दिल्ली, 02 फरवरी। प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक इस जनहित याचिका को तीन फरवरी के लिए सूचीबद्ध किया गया है। याचिका में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश देने और नियमों का पालन कराने की मांग की गई है। महाकुंभ में 29 जनवरी को मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य घायल हो गए थे।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के मुताबिक याचिकाकर्ता अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से महाकुंभ हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर तीन फरवरी को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ सुनवाई करेगी।

अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से दाखिल जनहित याचिका में केंद्र और सभी राज्यों को पक्षकार बनाया गया है तथा मांग की गई है कि सभी राज्यों को सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने और आपात स्थिति में अपने निवासियों की सहायता के लिए प्रयागराज में सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए। याचिता में श्रद्धालुओं की मदद के लिए कई भाषाओं में साइनेज लगाने और घोषणाएं करने की मांग की गई है।

याचिका में कहा गया है कि सभी राज्यों को महाकुंभ में अपने सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए। ये केंद्र अपने राज्यों से आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर काम करें। आपात स्थिति में केंद्र किसी भी सहायता के लिए तैयार रहें। वहीं लोगों को सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में एसएमएस और व्हाट्सएप के जरिये जानकारी दी जानी चाहिए।

जनहित याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को 29 जनवरी को महाकुंभ के दौरान हुई घटना पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और लापरवाही बरतने वाले व्यक्तियों, अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

पाटिल ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सहालकार का पद छोड़ा

बी.आर. पाटिल वरिष्ठ कांग्रेस विधायक हैं। वे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे तथा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नज़दीक माने जाते हैं

- **कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बी. आर. पाटिल ने यह सुनिश्चित किया कि वह विधायक के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।**

बेंगलुरु/कलाबुर्गी, 02 फरवरी। कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बी. आर. पाटिल ने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के राजनीतिक सलाहकार पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे पार्टी में नई हलचल पैदा हो गई है।

पाटिल ने अपने इस्तीफे का कोई विशेष कारण बताए बिना मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वह विधायक के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, मैंने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार पद से इस्तीफा दे दिया है। मेरा इस्तीफा पहले ही मुख्यमंत्री को सौंपा जा चुका है। हालांकि, मैं विधायक के रूप में काम करता रहूंगा और मुझे किसी आधिकारिक पद की आवश्यकता नहीं है।

उनका यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व को लेकर असंतोष बढ़ रहा है और मंत्री पदों के आवंटन पर सवाल उठ रहे हैं।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा,मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्यों इस्तीफा दिया।

वह खड़गे साहब और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया दोनों के बहुत करीबी सहयोगी हैं।

खड़गे ने कहा,इसलिए, मुझे यकीन है कि उन्होंने जो भी किया है, उसके पीछे कुछ कारण होंगे।

मुझे पूरी जानकारी नहीं है। न तो मैंने और न ही मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने उनका इस्तीफा पत्र देखा है। तो मैं मीडिया से अनुरोध करता हूं कि जब तक इस्तीफा पत्र सार्वजनिक नहीं होता, कृपया अपनी कहानियां बनाने की कोशिश न करें।

श्रद्धालुओं से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे के तुरंत बाद वहां चीख-पुकार मच गई। आस-पास के लोग तुरंत घायलों की मदद के लिए पहुंचे। पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे का शिकार हुए सभी यात्री मध्य प्रदेश के हैं।

गाज़ा पट्टी में इज़रायली हमलों से मरने वालों की संख्या 47,487 हुई

गाजा, 02 फरवरी। गाज़ा की नागरिक सुरक्षा ने फिलिस्तीनी क्षेत्र में गंभीर मानवीय स्थितियों की चेतावनी देते हुए शनिवार को कहा कि उसने गाज़ा पट्टी से 64 शव बरामद किए। एक प्रेस बयान में नागरिक सुरक्षा ने घोषणा की कि उत्तरी गाज़ा से 37 शव बरामद किए गए हैं।

बयान के अनुसार इजरायली बलों ने कमल अदवान अस्पताल के आसपास विभिन्न दफन स्थलों से शवों को स्थानांतरित करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया था, उन्हें खुले इलाकों में इकट्ठा किया था। नागरिक सुरक्षा टीमों ने बाद में उन्हें बीट लाहिया कब्रिस्तान में फिर से दफना दिया। इस बीच गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 27 शव अस्पतालों में पहुंचे।

स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार सात अक्टूबर 2023 से अब तक इजरायली हमले में मरने वालों की कुल संख्या 47,487 हो गयी है, जबकि 111,588 लोग घायल हुये हैं। अधिकारियों ने कहा कि कई पीड़ित मलबे के नीचे और सड़कों पर फंसे रहे जहां आपातकालीन और नागरिक सुरक्षा दल उन तक पहुंचने में असमर्थ थे। एक अलग बयान में नागरिक सुरक्षा ने चेतावनी दी कि गाजा निवासी बेहद गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं एवं हजारों लोग बिना आश्रय या जीवित रहने की आवश्यकताओं के बेघर हो गए हैं।

- **गाज़ा की नागरिक सुरक्षा ने कहा, हजारों लोग बेघर हैं और मुश्किल से जीवनयापन कर रहे हैं।**

बयान में कहा गया है कि इस क्षेत्र में कई तूफान आने की आशंका है जिससे टेंटों और संरचनात्मक रूप से असुरक्षित इमारतों में रहने वाले हजारों लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा।

इसके अलावा बड़ी मात्रा में गैर-विस्फोटित आयुध और इज़रायली सैन्य अभियानों के अन्य अवशेष सड़कों पर और नष्ट हुए घरों और इमारतों के मलबे के नीचे बिखरे हुए हैं, जिससे नागरिकों को खतरा हो रहा है। नागरिक सुरक्षा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों से बहुत देर होने से पहले लोगों की जान बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

'किसानों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी जा चुकी है और अगले कुछ माह में यह संख्या 1 लाख तक पहुंच जाएगी।

साथ ही हमने लगभग 81 हजार पदों के लिए भर्ती कैलेण्डर जारी करते हुए परीक्षा के आयोजन और परिणाम की तिथि भी तय कर दी है।

कार्यक्रम में विधायक करौली दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा हंसराज मीना, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव, पूर्व विधायक मान सिंह गुर्जर, लोकसभा प्रत्याशी इंदु देवी जाटव, टोडाभीम प्रत्याशी रामनिवास मीणा सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी बड़ी संख्या में किसान एवं आमजन उपस्थित थे।

'अयोध्या में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई, उसे सुनकर किसी भी इंसान की रूह कांप जाए। ऐसी क्रूर घटनाएं समूची मानवता को शर्मसार करती हैं। बच्ची तीन दिन से गायब थी लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया। भाजपा के जंगलराज में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों की चीख कोई सुनने वाला नहीं है। यूपी सरकार दलितों पर अत्याचार का पर्याय बन गई है। मेरी मांग है कि अत्याचार करने वाले दोषियों के साथ-साथ जिम्मेदार पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

छत्तीसगढ़ में 25 किलो आईईडी निष्क्रिय किया

माओवादियों ने उसूर-आवापल्ली मुख्य मार्ग पर धान मंडी के पास 25 किलो आईईडी प्लांट किया था

- **सुरक्षा बलों ने डीमांइनिंग के दौरान सड़क के बीचों-बीच प्लास्टिक कन्टेनर में लगाये गये आईईडी को केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस की बीडी टीम के साथ मिलकर सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर जेसीबी की सहायता से बाहर निकाला।**

बीजापुर, 02 फरवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर-आवापल्ली मार्ग में नक्सलियों द्वारा धान मंडी के पास मार्ग में लगाए गए लगभग 25 किग्रा का आईईडी सुरक्षा बलों ने डिटेक्ट किया और निष्क्रिय कर दिया।

उसूर और केरिपु 196 वाहिनी की टीम उसूर-आवापल्ली सड़क मार्ग पर डीमाईनिंग ड्यूटी हेतु निकली थी।उसूर-आवापल्ली मार्ग में बीडीएस टीम ने धान मंडी के पास मार्ग में माओवादियों द्वारा लगाए लगभग 25 किग्रा का आईईडी डिटेक्ट किया। बीजापुर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि माओवादियों द्वारा उसूर-आवापल्ली मुख्यमार्ग पर आईईडी प्लांट किया गया था। डीमाईनिंग के दौरान सतर्कता पूर्वक जांच कर सड़क के बीचों बीच प्लास्टिक कन्टेनर में लगाये गये आईईडी को बरामद किया गया। 196 केरिपु के बीडी टीम द्वारा सुरक्षित रूप से आईईडी को निष्क्रिय कर जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया।

माओवादियों द्वारा बड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से कमांड स्विच सिस्टम से आईईडी मुख्यमार्ग पर प्लास्टिक कन्टेनर में प्लांट किया गया था। माओवादियों द्वारा लगाये गये आईईडी से आम जनता को नुकसान हो सकता था। सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने की नीयत से आम जनता की जान की परवाह किये बगैर इस प्रकार मुख्यमार्ग पर आईईडी प्लांट करना माओवादियों की बौखलाहट एवं तिलमिलाहट को दर्शाता है।

कश्मीर घाटी में हल्की बरसात, गुलमर्ग-पहलगाम में बर्फ गिरी

श्रीनगर, 02 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जबकि गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थलों सहित कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर और घाटी के अन्य हिस्सों में शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को रुक-रुक कर हल्की बारिश हुई। जम्मू के कुछ हिस्सों में भी रात भर हल्की बारिश हुई।

मौसम विभाग श्रीनगर ने बताया कि इस दौरान उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में 5.1 सेमी , पहलगाम में 2.8 सेमी और कुपवाड़ा में 2.5 सेमी बर्फबारी हुई। दक्षिण कश्मीर में पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला सहित कश्मीर घाटी के कुछ ऊंचे इलाकों में भी हल्की बर्फबारी हुई। अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी, गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना के साथ आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

'अमृतसर में अंबेडकर की मूर्ति तोड़े जाने पर केजरीवाल माफी मांगें'

नयी दिल्ली, 02 फरवरी। पूर्व सांसद उदित राज के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन किया और पंजाब के अमृतसर शहर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने को लेकर उनसे माफी मांगने की मांग की।

- **कांग्रेस ने केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन किया, पुलिस ने बैरिकेड लगाये।**

उदित राज ने कहा, केजरीवाल को डॉ. अंबेडकर का सम्मान करना सीखना चाहिए। अमृतसर में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति को तोड़ा गया है। वहां उनकी सरकार है। मैं यहां कोई बाधा डालने नहीं आया हूं। हमारा कोई राजनीतिक मकसद नहीं है। मैं यहां सिर्फ उन्हें बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति भेंट करने आया हूं...उन्हें अमृतसर में राज्य के अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने केजरीवाल के घर से सामने सुरक्षा बढ़ा दी। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड भी लगाये हैं।

गौरतलब है कि 26 जनवरी को एक वीडियो सोशल मीडिया में सामने आया था जिसमें एक व्यक्ति पंजाब के अमृतसर शहर में सीढ़ी लगाकर बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर चढ़ ते और हथौड़े से उसे क्षतिग्रस्त करते हुए नज़र आ रहा था।

इस घटना को लेकर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी, पंजाब सरकार और केजरीवाल की तीखी आलोचना की थी।

ट्रंप के स्थानांतरण प्रस्ताव के खिलाफ गाज़ा पट्टी में प्रदर्शन

राष्ट्रपति ट्रंप ने गाज़ा की फिलिस्तीनी आबादी को मिस्र व जॉर्डन शिफ्ट करने का सुझाव दिया था

- **प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीनियों को उनकी भूमि से निस्थापित करने की किसी भी योजना को खारिज किया। उन्होंने कहा, फिलिस्तीन हमारी असली मातृभूमि है और हम किसी को भी इसे कमज़ोर करने की इजाज़त नहीं देंगे।**

गाजा, 02 फरवरी। गाज़ा पट्टी में फिलिस्तीनी नागरिकों ने शनिवार को सड़कों पर उतरकर यहां की आबादी को मिस्र और जॉर्डन में स्थानांतरित करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के प्रस्ताव का विरोध किया और योजना को खारिज करने के लिए मिस्र की प्रशंसा की। प्रदर्शनकारी फिलिस्तीनी और मिस्र के झंडे लहराते हुए गाज़ा पट्टी के मध्य में अल-सराया स्क्वायर और दीर अल-बलाह पर एकत्र हुये।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी की तस्वीरों वाले बड़े बैनरों पर नारे लगे हुए थे जिन पर लिखा था, मिस्र हमेशा फिलिस्तीनी मुद्दे के सच्चे समर्थक और रक्षक के रूप में खड़ा रहेगा और अपने लोगों के विस्थापन को कभी स्वीकार नहीं करेगा।

एक बयान में परिवारों और नेताओं की ओर से प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीनियों को उनकी भूमि से विस्थापित करने के उद्देश्य से किसी भी योजना या उपायों को खारिज कर दिया। बयान में कहा गया है, फिलिस्तीन हमारी असली मातृभूमि है और हम किसी को भी इसे कमजोर करने की इजाजत नहीं देंगे।

बयान में फिलिस्तीनियों से उनके अधिकारों को कमजोर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया गया है, उनसे अपनी भूमि पर दृढ़ रहने और वापसी और स्वतंत्रता के अपने अधिकार के लिए प्रतिबद्ध रहने का आ ान किया।

बयान में अपने राष्ट्रपति के नेतृत्व में मिस्र के रुख की भी प्रशंसा की गई, जिसमें फिलिस्तीनी मुद्दे के लिए उनके निरंतर समर्थन और इसे खत्म करने या फिलिस्तीनी राष्ट्रीय अधिकारों से समझौता करने के किसी भी प्रयास की उनकी दृढ़ अस्वीकृति पर प्रकाश डाला गया।

इससे पहले दिन में हमास ने गाज़ा की आबादी को विदेश में स्थानांतरित करने के अमेरिकी प्रस्ताव को बेतुका और बेकार कहकर खारिज कर दिया।

हमास के अधिकारी सामी अबू ज़ुहरी ने एक बयान में कहा कि पुनर्निर्माण के बहाने गाज़ा की आबादी को विस्थापित करने के बारे में अमेरिका के बार-बार दावे अपराध में लगातार अमेरिकी मिलीभगत को दर्शाते हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि विस्थापन योजनाओं पर अमेरिकी प्रशासन का जोर केवल क्षेत्र में अराजकता और तनाव को और बढ़ाएगा।

अरब लीग के साथ शनिवार को छह अरब देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधियों ने काहिरा में मुलाकात की जिसमें गाजा के लिए एक व्यापक पुनर्निर्माण योजना के तेजी से कार्यान्वयन का आव्हान किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फिलिस्तीनी अपनी भूमि पर बने रहें। बैठक में मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कतर के विदेश मंत्रियों के साथ-साथ फिलिस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) की कार्यकारी समिति के महासचिव हुसैन अल-शेख और अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल-घीत ने भाग लिया।

इज़रायली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में युद्धविराम पर हमास के साथ समझौते के दूसरे चरण पर बातचीत शुरू करने के लिए मध्य पूर्व के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ के साथ सहमति व्यक्त की थी।

इस प्रकार, समझौते के पहले चरण के कार्यान्वयन के 16वें दिन इज़रायल दो सप्ताह में फिलिस्तीनी एन्क्लेव से 18 बंधकों को वापस करने में कामयाब रहा।

यह बातचीत इज़रायल को दो हजार पाउंड के भारी बमों की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रतिबंध हटाने के ट्रंप के हालिया फैसले की पृष्ठभूमि में होगी।

रविवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्पताल में 500 स्टाफ को अलर्ट मोड में रखा गया है। पहले के अधिकतर मरीज यहां से डिस्चार्ज किए जा चुके हैं और डेढ़ सौ बेड रिजर्व रख लिए गए हैं। एसआरएन में 60 रेजिडेंट डॉक्टरों को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है और यहां 30 सीटी स्कैन मशीनें पूरी तरह तैयार हैं, जिससे जरूरत पड़ने पर एमआरआई, अल्ट्रासाउंड समेत सभी जांचें हो सकेंगी।

अमेरिका ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्रवाई का जवाब 155 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामानों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क के साथ देगा। इसमें मंगलवार तक 30 अरब अमरीकी डालर मूल्य के सामानों पर तत्काल आयात शामिल होगा, इसके बाद 21 दिनों के समय में 125 अरब अमरीकी डालर मूल्य के अमेरिकी उत्पादों पर और आयात शुल्क लगाया जाएगा ताकि कैनडाई कंपनियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को विकल्प खोजने की अनुमति मिल सके।

बीकानेर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जलदाय विभाग के कर्मचारी श्याम नारायण रंगा ने बताया कि शहर में कई जगह झटके महसूस हुए हैं। सीसीटीवी कैमरे में भी धरती हिलने का नज़ारा कैद हुआ।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908